



Mr. Ritvik Bhardwaj

22 Dec 2008

03:41 PM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120496703

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 22/12/2008 : _____ जन्म तिथि _____ : 22-23/12/2025
 सोमवार : _____ दिन _____ : सोम-मंगलवार
 घंटे 15:41:00 : _____ जन्म समय _____ : 00:12:52 घंटे
 घटी 21:01:26 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 42:21:15 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Simla : _____ स्थान _____ : Simla
 उत्तर 31:06:00 : _____ अक्षांश _____ : 31:06:00 उत्तर
 पूर्व 77:10:00 : _____ रेखांश _____ : 77:10:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:20 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:16:25 : _____ सूर्योदय _____ : 07:16:21
 17:23:21 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:23:48
 23:59:09 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:17
 वृष : _____ लग्न _____ : कन्या
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : बुध
 तुला : _____ राशि _____ : मकर
 शुक्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
 स्वाति : _____ नक्षत्र _____ : उत्तराषाढ़ा
 राहु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : सूर्य
 2 : _____ चरण _____ : 4
 अतिगण्ड : _____ योग _____ : व्याघात
 बव : _____ करण _____ : गर
 रे-रेवती : _____ जन्म नामाक्षर _____ : जी-जीविका
 मकर : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मकर
 शूद्र : _____ वर्ण _____ : वैश्य
 मानव : _____ वश्य _____ : जलचर
 महिष : _____ योनि _____ : नकुल
 देव : _____ गण _____ : मनुष्य
 अन्त्य : _____ नाडी _____ : अन्त्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : सिंह
 17 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 18



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
रोहिणी	1	12:49:09	वृष			लग्न			कन्या	05:18:36	3	उ०फाल्गुनी
मूल	3	06:57:11	धनु			सूर्य			धनु	06:57:11	3	मूल
स्वाति	2	11:24:19	तुला			चंद्र			मक	07:15:03	4	उत्तराषाढ़ा
मूल	1	02:21:37	धनु	अ	मंगल	अ	धनु			11:25:48	4	मूल
पूर्वाषाढ़ा	3	21:36:12	धनु			बुध			वृश्चि	20:38:34	2	ज्येष्ठा
उत्तराषाढ़ा	2	02:45:45	मक			गुरु	व		मिथु	28:17:21	3	पुनर्वसु
श्रवण	4	22:36:01	मक			शुक्र	अ	धनु		03:22:52	2	मूल
उ०फाल्गुनी	1	27:42:01	सिंह			शनि			मीन	01:28:34	4	पू०भाद्रपद
श्रवण	2	16:06:10	मक	व		राहु	व		कुंभ	17:12:12	4	शतभिषा
पुष्य	4	16:06:10	कर्क	व		केतु	व		सिंह	17:12:12	2	पू०फाल्गुनी
पू०भाद्रपद	2	25:00:50	कुंभ			मु			तुला	12:49:09	2	स्वाति

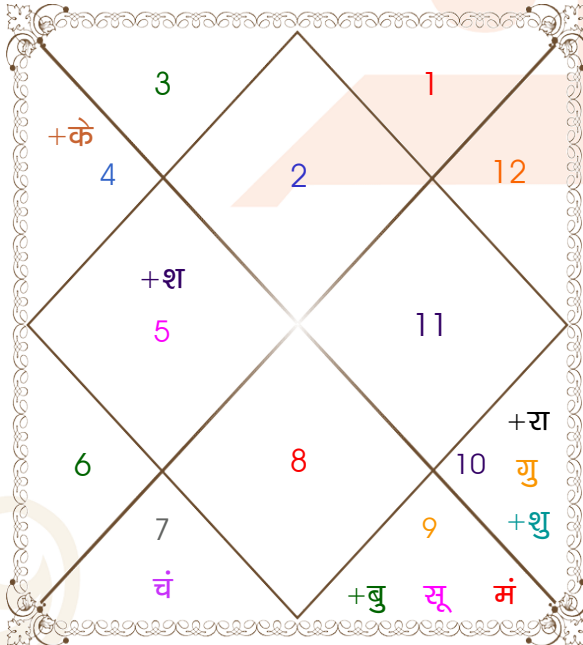
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

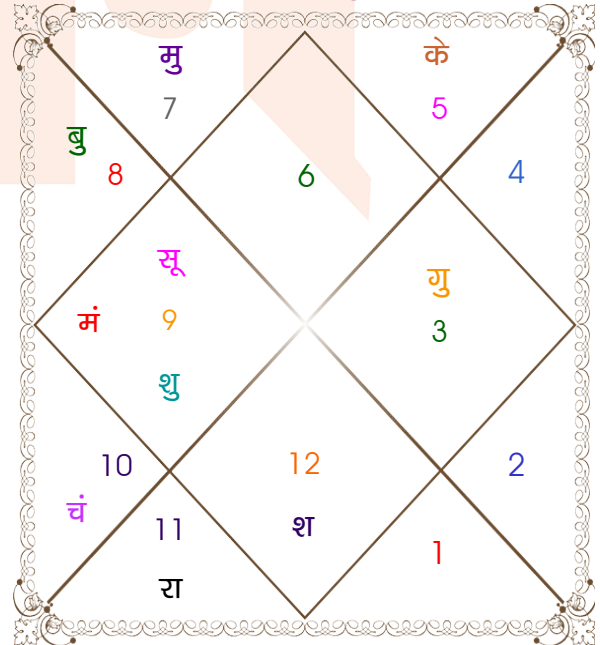
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:17

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - बुध - शुक्र	गुरु - बुध - सूर्य	गुरु - बुध - चंद्र	गुरु - बुध - मंगल
12/09/2025 15:02	28/01/2026 14:38	11/03/2026 00:07	18/05/2026 23:55
28/01/2026 14:38	11/03/2026 00:07	18/05/2026 23:55	06/07/2026 06:58
शुक्र 05/10/2025 14:58	सूर्य 30/01/2026 16:18	चंद्र 16/03/2026 18:06	मंगल 21/05/2026 19:32
सूर्य 12/10/2025 12:33	चंद्र 03/02/2026 03:06	मंगल 20/03/2026 18:41	राहु 29/05/2026 01:23
चंद्र 24/10/2025 00:31	मंगल 05/02/2026 13:03	राहु 31/03/2026 03:03	गुरु 04/06/2026 11:56
मंगल 01/11/2025 01:41	राहु 11/02/2026 18:04	गुरु 09/04/2026 07:50	शनि 12/06/2026 03:27
राहु 21/11/2025 18:26	गुरु 17/02/2026 06:32	शनि 20/04/2026 06:00	बुध 18/06/2026 23:39
गुरु 10/12/2025 03:59	शनि 23/02/2026 19:50	बुध 30/04/2026 00:34	केतु 21/06/2026 19:15
शनि 01/01/2026 00:19	बुध 01/03/2026 16:35	केतु 04/05/2026 01:09	शुक्र 29/06/2026 20:26
बुध 20/01/2026 13:27	केतु 04/03/2026 02:32	शुक्र 15/05/2026 13:07	सूर्य 02/07/2026 06:23
केतु 28/01/2026 14:38	शुक्र 11/03/2026 00:07	सूर्य 18/05/2026 23:55	चंद्र 06/07/2026 06:58
गुरु - बुध - राहु	गुरु - बुध - गुरु	गुरु - बुध - शनि	गुरु - केतु - केतु
06/07/2026 06:58	07/11/2026 11:25	25/02/2027 20:42	06/07/2027 22:43
07/11/2026 11:25	25/02/2027 20:42	06/07/2027 22:43	26/07/2027 19:58
राहु 24/07/2026 22:02	गुरु 22/11/2026 04:39	शनि 18/03/2027 14:49	केतु 08/07/2027 02:33
गुरु 10/08/2026 11:26	शनि 09/12/2026 16:07	बुध 06/04/2027 04:30	शुक्र 11/07/2027 10:06
शनि 30/08/2026 03:20	बुध 25/12/2026 07:26	केतु 13/04/2027 20:01	सूर्य 12/07/2027 09:58
बुध 16/09/2026 17:34	केतु 31/12/2026 17:59	शुक्र 05/05/2027 16:21	चंद्र 14/07/2027 01:44
केतु 23/09/2026 23:25	शुक्र 19/01/2027 03:31	सूर्य 12/05/2027 05:39	मंगल 15/07/2027 05:34
शुक्र 14/10/2026 16:10	सूर्य 24/01/2027 15:59	चंद्र 23/05/2027 03:49	राहु 18/07/2027 05:10
सूर्य 20/10/2026 21:11	चंद्र 02/02/2027 20:46	मंगल 30/05/2027 19:20	गुरु 20/07/2027 20:48
चंद्र 31/10/2026 05:33	मंगल 09/02/2027 07:18	राहु 19/06/2027 11:15	शनि 24/07/2027 00:22
मंगल 07/11/2026 11:25	राहु 25/02/2027 20:42	गुरु 06/07/2027 22:43	बुध 26/07/2027 19:58
गुरु - केतु - शुक्र	गुरु - केतु - सूर्य	गुरु - केतु - चंद्र	गुरु - केतु - मंगल
26/07/2027 19:58	21/09/2027 15:34	08/10/2027 16:39	06/11/2027 02:27
21/09/2027 15:34	08/10/2027 16:39	06/11/2027 02:27	25/11/2027 23:43
शुक्र 05/08/2027 07:14	सूर्य 22/09/2027 12:02	चंद्र 11/10/2027 01:28	मंगल 07/11/2027 06:18
सूर्य 08/08/2027 03:25	चंद्र 23/09/2027 22:07	मंगल 12/10/2027 17:15	राहु 10/11/2027 05:53
चंद्र 12/08/2027 21:03	मंगल 24/09/2027 21:59	राहु 16/10/2027 23:31	गुरु 12/11/2027 21:31
मंगल 16/08/2027 04:36	राहु 27/09/2027 11:21	गुरु 20/10/2027 18:25	शनि 16/11/2027 01:05
राहु 24/08/2027 17:08	गुरु 29/09/2027 17:53	शनि 25/10/2027 06:22	बुध 18/11/2027 20:42
गुरु 01/09/2027 06:57	शनि 02/10/2027 10:39	बुध 29/10/2027 06:58	केतु 20/11/2027 00:32
शनि 10/09/2027 06:51	बुध 04/10/2027 20:37	केतु 30/10/2027 22:44	शुक्र 23/11/2027 08:05
बुध 18/09/2027 08:02	केतु 05/10/2027 20:28	शुक्र 04/11/2027 16:22	सूर्य 24/11/2027 07:57
केतु 21/09/2027 15:34	शुक्र 08/10/2027 16:39	सूर्य 06/11/2027 02:27	चंद्र 25/11/2027 23:43

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।

ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।

हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे॥

._*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आप के लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति इस समय सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं व्याकुलता का भाव मन में बना रहेगा। शत्रु तथा विरोधी पक्ष यदा कदा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा परन्तु स्वबुद्धिबल से आप उनका दमन करने में समर्थ रहेंगे। लेखन एवं अध्ययन के प्रति इस वर्ष में आप परिश्रम शील रहेंगे साथ ही कलाओं का ज्ञान भी न्यूनाधिक मात्रा में अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आप अपने व्यवहार के द्वारा अन्य जनों पर सामान्य प्रभाव डालने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही समयोचित तत्काल प्रत्युत्तर देने में आप चतुराई का प्रदर्शन करेंगे। गणित या अन्य ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी आपको किंचित सफलता इस वर्ष में प्राप्त हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य ही रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी परन्तु उसमें परिश्रम की अधिकता रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग में भी यदा कदा व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें विलम्ब तथा रुकावटें आएंगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से भी आपके संबंध मध्यम ही रहेंगे। अतः इनसे भी कोई विशेष लाभ या सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी संतोषप्रद ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धनार्जन होगा। साथ ही सामाजिक मान सम्मान प्रतिष्ठा एवं यश भी सामान्य ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक मात्रा में सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए आप का यह वर्ष व्यतीत होगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

- * - * - * - * - * - * - * - * - * - *

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्टान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रुचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रुचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।